

## Preface

J. J. Alberti explains in the "Neuen Musikalischen Complimentierbuch" (1806) that playing horn quartets has always been a popular kind of making music, which has been preserved through one century and a half. Today interpreters as well as composers fall back upon these old traditions, because a horn quartet is suitable as substitute for an orchestra open air as well as in a concert hall. The present edition is intended for amateur musicians, who love practising ensemble playing and performing in festive manner. This selection consists of original horn quartets and popular pieces. In contrast to earlier quartet collections of this genre the editor carefully arranged the pieces which are (except one) written in F.

The present edition is structured as follows: hunting-music, popular folk songs, national songs, Christmas carols, pieces from operas and dances and pieces from traditional suites.

## Inhalt / Contents

|                                                  |    |
|--------------------------------------------------|----|
| 1. Kleine Jagdfantasie .....                     | 12 |
| <i>Heinz Liebert (1918-2000)</i>                 |    |
| 2. Jagdstück .....                               | 14 |
| <i>Alfred Diewitz (1867-1928)</i>                |    |
| 3. Fidele Grünröcke .....                        | 16 |
| <i>Alfred Diewitz</i>                            |    |
| 4. Aufbruch zur Jagd .....                       | 18 |
| <i>Heinz Liebert</i>                             |    |
| 5. Heimkehr von der Jagd .....                   | 20 |
| <i>Komponist unbekannt</i>                       |    |
| 6. Das Waldhorn .....                            | 22 |
| <i>Friedrich Silcher (1789-1860)</i>             |    |
| 7. Mit dem Pfeil, dem Bogen .....                | 22 |
| <i>Bernhard Anselm Weber (1766-1821)</i>         |    |
| 8. Der Jäger aus Kurpfalz .....                  | 23 |
| <i>Volksweise aus dem 18. Jh.</i>                |    |
| 9. Lützows wilde Jagd .....                      | 24 |
| <i>Carl Maria von Weber (1786-1826)</i>          |    |
| 10. Im Walde .....                               | 24 |
| <i>Felix Mendelssohn Bartholdy (1809-1847)</i>   |    |
| 11. Wie herrlich ist's im Wald .....             | 25 |
| <i>Wilhelm Würfel (1791-1832)</i>                |    |
| 12. Waldvögelein .....                           | 26 |
| <i>Volksweise aus dem 18. Jh.</i>                |    |
| 13. O Täler weit, o Höhen .....                  | 26 |
| <i>Felix Mendelssohn Bartholdy</i>               |    |
| 14. Waldandacht .....                            | 27 |
| <i>Franz Abt (1819-1885)</i>                     |    |
| 15. Abschied vom Walde .....                     | 28 |
| <i>Felix Mendelssohn Bartholdy</i>               |    |
| 16. So sei begrüßt viel tausendmal .....         | 28 |
| <i>Robert Schumann (1810-1856)</i>               |    |
| 17. Komm, lieber Mai .....                       | 29 |
| <i>Wolfgang Amadeus Mozart (1756-1791)</i>       |    |
| 18. Der Mai ist gekommen .....                   | 29 |
| <i>Wilhelm Lyra (1822-1882)</i>                  |    |
| 19. Die Sonn' erwacht .....                      | 30 |
| <i>Carl Maria von Weber</i>                      |    |
| 20. Ein Männlein steht im Walde .....            | 30 |
| <i>Volksweise</i>                                |    |
| 21. Wenn ich ein Vögelein wär' .....             | 31 |
| <i>Volksweise</i>                                |    |
| 22. Das Lieben bringt groß' Freud' .....         | 31 |
| <i>Schwäbische Volksweise um 1825</i>            |    |
| 23. Der Lindenbaum .....                         | 32 |
| <i>Franz Schubert (1797-1828)</i>                |    |
| 24. Im schönsten Wiesengrunde .....              | 32 |
| <i>Volksweise</i>                                |    |
| 25. In einem kühlen Grunde .....                 | 33 |
| <i>Friedrich Glück (1797-1840)</i>               |    |
| 26. Auf Bergeshöhen .....                        | 33 |
| <i>Komponist unbekannt</i>                       |    |
| 27. Auf der Lüneburger Heide .....               | 34 |
| <i>Volksweise</i>                                |    |
| 28. Sah ein Knab' ein Röslein stehn .....        | 34 |
| <i>Heinrich Werner (1800-1833)</i>               |    |
| 29. Hand und Liese .....                         | 35 |
| <i>Volksweise</i>                                |    |
| 30. Ännchen von Tharau .....                     | 35 |
| <i>Friedrich Silcher</i>                         |    |
| 31. Ach, wie ist's möglich dann .....            | 36 |
| <i>Friedrich Wilhelm Kücken (1810-1882)</i>      |    |
| 32. Es klappert die Mühle .....                  | 36 |
| <i>Volksweise</i>                                |    |
| 33. Jetzt gang i ans Brünnele .....              | 37 |
| <i>Volksweise um 1780</i>                        |    |
| 34. Wenn alle Brunnlein fließen .....            | 37 |
| <i>Volksweise</i>                                |    |
| 35. Heute wollen wir das Ränzlein schnüren ..... | 38 |
| <i>Brandenburgisches Volkslied</i>               |    |
| 36. Muß i denn .....                             | 38 |
| <i>Schwäbische Volksweise</i>                    |    |
| 37. Der frohe Wandersmann .....                  | 39 |
| <i>Felix Mendelssohn Bartholdy</i>               |    |
| 38. Wenn ich den Wanderer frage .....            | 40 |
| <i>Friedrich Brückner (1811-1894)</i>            |    |
| 39. Lang, lang ist's her .....                   | 40 |
| <i>Thomas Haynes Bayly (1797-1839)</i>           |    |
| 40. Aus der Jugendzeit .....                     | 41 |
| <i>Robert Radecke (1830-1911)</i>                |    |
| 41. Wie's daheim war .....                       | 41 |
| <i>Gustav Wohlgenuth (1863-1937)</i>             |    |

|                                                                 |    |                                                |    |
|-----------------------------------------------------------------|----|------------------------------------------------|----|
| 42. Hab' oft im Kreis der Lieben .....                          | 42 | 56. 's Raachermannel.....                      | 52 |
| <i>Friedrich Silcher</i>                                        |    | <i>Erich Lang (1895-1940)</i>                  |    |
| 43. Das Sandmännchen.....                                       | 42 | 57. 's Heilig-Abnd-Lied .....                  | 53 |
| <i>Bergische Volksweise</i>                                     |    | <i>Volksweise aus dem Erzgebirge</i>           |    |
| 44. Sonnenlicht ist schlafen gegangen .....                     | 43 | 58. O selige Weihnachtszeit.....               | 53 |
| <i>Komponist unbekannt</i>                                      |    | <i>Anton Günther</i>                           |    |
| 45. Der Mond ist aufgegangen.....                               | 44 | 59. O Tannenbaum.....                          | 54 |
| <i>Johann Abraham Peter Schulz (1747-1800)</i>                  |    | <i>Volksweise</i>                              |    |
| 46. Über allen Gipfeln ist Ruh.....                             | 44 | 60. O du fröhliche .....                       | 54 |
| <i>Friedrich Kublau (1786-1832)</i>                             |    | <i>Sizilianische Volksweise</i>                |    |
| 47. Guten Abend, gut' Nacht.....                                | 45 | 61. Stille Nacht, heilige Nacht.....           | 55 |
| <i>Johannes Brahms (1833-1897)</i>                              |    | <i>Franz Xaver Gruber (1787-1863)</i>          |    |
| 48. Die Nacht.....                                              | 46 | 62. Süßer die Glocken nie klingen.....         | 55 |
| <i>Franz Abt</i>                                                |    | <i>Volksweise</i>                              |    |
| 49. Hymne an die Nacht.....                                     | 46 | 63. Es ist ein Ros' entsprungen.....           | 56 |
| <i>Ludwig van Beethoven (1770-1827)</i>                         |    | <i>Volksweise aus dem 15. Jh.</i>              |    |
| 50. In stiller Nacht.....                                       | 47 | 64. Die Engel und die Hirten.....              | 56 |
| <i>Komponist unbekannt</i>                                      |    | <i>Altböhmisches Weihnachtslied</i>            |    |
| 51. Frohes Erzgebirge.....                                      | 48 | 65. Susani .....                               | 57 |
| <i>Heinz Liebert</i>                                            |    | <i>Weihnachtslied um 1625</i>                  |    |
| 52. Feierobnd .....                                             | 50 | 66. Tochter Zion, freue dich .....             | 57 |
| <i>Anton Günther (1876-1937)</i>                                |    | <i>Georg Friedrich Händel (1685-1759)</i>      |    |
| 53. Turm Glückauf.....                                          | 50 | 67. Geburtstagsmarsch .....                    | 58 |
| <i>Volksweise aus dem Erzgebirge</i>                            |    | <i>Heinz Liebert</i>                           |    |
| 54. Vergaß dei Haamit net.....                                  | 51 | 68. Zur Trauung .....                          | 60 |
| <i>Anton Günther</i>                                            |    | <i>Komponist unbekannt</i>                     |    |
| 55. Wu de Walder haamlich rauschen .....                        | 51 | 69. Wie sie so sanft ruhn.....                 | 60 |
| <i>Anton Günther</i>                                            |    | <i>Friedrich Burchard Benecken (1760-1818)</i> |    |
| 70. Ave verum.....                                              | 61 | 84. Ländler.....                               | 80 |
| <i>Wolfgang Amadeus Mozart</i>                                  |    | <i>Heinz Liebert</i>                           |    |
| 71. Die Himmel rühmen.....                                      | 62 | 85. Bayrischer Ländler.....                    | 82 |
| <i>Ludwig van Beethoven</i>                                     |    | <i>Komponist unbekannt</i>                     |    |
| 72. Heilig, heilig, heilig.....                                 | 62 | 86. Bauernpolka .....                          | 84 |
| <i>Franz Schubert</i>                                           |    | <i>Heinz Liebert</i>                           |    |
| 73. Nocturno .....                                              | 63 | 87. Walzerpotpourri.....                       | 86 |
| <i>Heinz Liebert</i>                                            |    | <i>Bearbeitung: Oskar Geier (gest. 1953)</i>   |    |
| 74. Jägerchor aus „Der Freischütz“ .....                        | 64 | 88. Radetzky-Marsch .....                      | 88 |
| <i>Carl Maria von Weber</i>                                     |    | <i>Johann Strauß (1804-1849)</i>               |    |
| 75. Chor aus „Euryanthe“ .....                                  | 66 |                                                |    |
| <i>Carl Maria von Weber</i>                                     |    |                                                |    |
| 76. Matrosenchor aus „Der fliegende Holländer“.....             | 68 |                                                |    |
| <i>Richard Wagner (1813-1883)</i>                               |    |                                                |    |
| 77. Pilgerchor aus „Tannhäuser“ .....                           | 70 |                                                |    |
| <i>Richard Wagner</i>                                           |    |                                                |    |
| 78. Brautchor aus „Lohengrin“ .....                             | 72 |                                                |    |
| <i>Richard Wagner</i>                                           |    |                                                |    |
| 79. Wach auf Chor aus „Die Meistersinger von Nürn-<br>berg..... | 73 |                                                |    |
| <i>Richard Wagner</i>                                           |    |                                                |    |
| 80. Abendchor aus „Das Nachtlager von Granada“ .....            | 74 |                                                |    |
| <i>Konradin Kreutzer (1780-1849)</i>                            |    |                                                |    |
| 81. Schlaf wohl aus „Das Paradies und die Peri“ .....           | 75 |                                                |    |
| <i>Robert Schumann</i>                                          |    |                                                |    |
| 82. Volkslied und Märchen.....                                  | 76 |                                                |    |
| <i>Karl Komzak (1850-1905)</i>                                  |    |                                                |    |
| 83. Alte Bergmusik aus Schneeberg.....                          | 78 |                                                |    |
| <i>Komponist unbekannt</i>                                      |    |                                                |    |

1.  
Kleine Jagdfantasie

Heinz Liebert (1918 – 2000)

**Allegro**

**ff**

① **Solo** **f** **rit.**

② **a tempo** **mf** **cresc.**

3 **rit.** **a tempo** ③ **ruhiger** **mf**

**p** **mf**

**rit.** **a tempo** ④ **1**

**f** **ff** **mf**

**ff**

⑤ **ff**

**sehr ruhig**

⑥ **pp** **mf**

**p** **mf**

**rit.** ⑦ **p**

**Tempo I** ⑧ **Solo** **f**

**string.** **ff**

1.  
Kleine Jagdfantasie

Heinz Liebert (1918 – 2000)

**Allegro**

**ff**

**rit.** ② **a tempo** **mf**

**cresc.** **f** **rit.**

**a tempo** ③ **ruhiger** **mf**

**p** **mf**

**rit.** ④ **a tempo** **f** **ff**

**mf** **ff**

⑤ **ff**

⑥ **sehr ruhig** **pp** **mf**

**p** **mf**

**rit.** ⑦ **Tempo I** **Solo** **f** **ff**

⑧ **mf**

**string.** **ff**

9.  
Lützows wilde Jagd

Carl Maria v. Weber (1786-1826)

Lebhaft

ff

mf

ff

etwas ruhiger

f

2 a tempo

ff

p

10.  
Im Walde

Felix Mendelssohn-Bartholdy (1809-1847)

Lebhaft

f

mf

9.  
Lützows wilde Jagd

Carl Maria v. Weber (1786-1826)

Lebhaft

ff

mf

ff

etwas ruhiger

f

4 a tempo

ff

p

10.  
Im Walde

Felix Mendelssohn Bartholdy (1809-1847)

Lebhaft

f

mf

rit.

rit.

ff

f

p

mf

ff

mf

ff

mf

rit.

pp

11.  
Wie herrlich ist's im Wald

Wilhelm Würfel (1791-1832)

Kräftig und munter

f

p

mf

p

f

ff

a tempo

ff

f

p

mf

ff

mf

ff

mf

rit.

pp

11.  
Wie herrlich ist's im Wald

Wilhelm Würfel (1791-1832)

Kräftig und munter

f

p

mf

p

f

ff

## 71.

Die Himmel rühmen

Majestätisch

Ludwig van Beethoven

Majestatisch

Ludwig van Beethoven

*ff sfz p f sfz*

*p f sf sf*

*sf pp*

(2. - 4. Horn)

*cresc. - mf ff*

*rit.*

*a tempo*

*mf p f ff*

72.  
Heilig, heilig, heilig

## Franz Schubert

Franz Schubert

pp

mf

pp

## 71.

Die Himmel rühmen

**Majestätisch**

## Ludwig van Beethoven

Majestatisch

Symphonie von Beethoven

*ff sfz p f*

*sfz p*

*f sf sf sf pp*

*cresc.*

*rit.*

*mf p f*

*ff*

72.  
Heilig, heilig, heilig

## Franz Schubert

Franz Schubert

73.

Nocturno

Sehr ausdrucksvoll

Heinz Liebert

73.  
Nocturno

Sehr ausdrucksvoll Heinz Liebert

*f* *p* *pp*

*p* *mf* *p* *espress.* *rit.* *a tempo* *f* *espress.* *a tempo* *poco rit.* *mf* *p* *pp*

73.

## Nocturno

Sehr ausdrucksvoll

Heinz Liebert

73.

Nocturno

Sehr ausdrucksvoll

Heinz Liebert

*p* *mf* *pp* *f* *p* *pp*

*espress.* *rit.* *a tempo* *poco rit.*